वैभव सूर्यवंशी का सुपरनोवा शतक

भारत ने यूएई के सामने रखा 434 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य

दुबई, 12 दिसंबर — अंडर-19 एशिया कप में भारत ने शुक्रवार को ऐसा तूफ़ानी बल्लेबाज़ी प्रदर्शन कर दिखाया कि यूएई की टीम शायद मैच खत्म होने से पहले ही समझ गई होगी कि आज मामला थोड़ा 'too much' होने वाला है। वैभव सूर्यवंशी की 171 रनों की विस्फोटक पारी, ऐरन जॉर्ज और विहान मल्होत्रा के ठोस अर्धशतकों और मिडिल ऑर्डर की लगातार रफ्तार के दम पर भारत ने यूएई के सामने 433 रनों का विराट स्कोर टांग दिया।

साफ शब्दों में कहें तो—भारत ने ये मैच बैट से ही लगभग सील कर दिया। टॉस जीतकर यूएई ने पहले गेंदबाज़ी चुनी, शायद सोचकर कि पिच सुबह के वक्त गेंदबाज़ों को थोड़ी मदद दे देगी। शुरुआती ओवर में उन्हें उम्मीद भी दिखी जब भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे मात्र चार रन पर आउट हो गए। तीसरे ओवर में विकेट गिरने के बाद ये लगना लाज़मी था कि भारत को पावरप्ले में संभलकर चलना पड़ेगा, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की बॉडी लैंग्वेज देखकर जल्दी समझ आ गया कि भाईसाहब का प्लान 'रिकवरी' नहीं बल्कि 'रन-स्टॉर्म' है।

सूर्यवंशी के साथ क्रीज़ पर आए ऐरन जॉर्ज ने बेहद मैच्योर अंदाज़ में पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी की — वो भी ऐसी जिसमें गेंदबाज़ लगातार दबाव में दिखे। सूर्यवंशी ने 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और इसके बाद तो जैसे उन्होंने गियर ही बदल दिया। उनकी पारी में 14 छक्के और 9 चौके शामिल थे, यानी गेंदबाज़ों की लाइनों का हाल तुम समझ ही रहे होगे — सब इधर-उधर छितराए हुए। जॉर्ज ने दूसरी तरफ से पूरी स्टेबिलिटी दी। उन्होंने अपने 69 रन 73 गेंदों में बनाए जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। उनका आउट होना यूएई के लिए थोड़ी राहत जैसा था, लेकिन तब तक देर बहुत हो चुकी थी। स्कोरबोर्ड लगातार बढ़ता जा रहा था और भारत की रनरेट किसी अच्छे ञ्20 मैच जैसी लग रही थी। सूर्यवंशी 171 पर आउट हुए—95 गेंदों में ये स्कोर बनाना अपने-आप में एक स्टेटमेंट है। अंडर-19 स्तर पर ऐसी पारी मिलनी है, और दुबई की भीड़ ने भी इसे दिल खोलकर एंजॉय किया। उनका विकेट गिरने के बाद भी भारत ने रन बनाना बंद नहीं किया। वेदांत त्रिवेदी (38) ने जरूरत के मुताबिक स्ट्राइक रोटेट की, जबकि विहान मल्होत्रा ने 55 गेंदों में 69 रन ठोककर विपक्षी गेंदबाज़ों की हालत और नाजुक कर दी। उनकी पारी में सात चौके और एक छक्का शामिल था। कनिष्क चौहान ने भी 28 रन का योगदान दिया, लेकिन सबसे मजेदार बात आई आखिरी ओवरों में। अभिज्ञान कुंडु ने सिर्फ 17 गेंदों में 32 रन ठोक दिए, जिसने स्कोर को 430 के ऊपर पहुंचा दिया। उनके साथ खिलन पटेल पांच रन पर नाबाद लौटे, और भारत का स्कोर ठहरा — 50 ओवर में छह विकेट पर 433 रन।

> अंडर-19 टीम अक्सर भविष्य के स्टार्स को जन्म देती है, और सूर्यवंशी ने जिस अंदाज़ में आज खेला है—अगर यही स्टाइल उन्होंने आगे भी जारी रखा, तो नाम याद रख लो, ये लड़का चर्चा में रहेगा। अब मैच का असली सवाल यह है कि यूएई इस लक्ष्य का पीछा कैसे करेगा? 434 रन का पीछा किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुश्किल है, और अंडर-19 मैच में तो लगभग नामुमकिन जैसा। यूएई को इस मैच में जीत से ज्यादा अपनी आत्मविश्वास को बचाना होगा। भारत की गेंदबाजी लाइन-अप इस स्कोर के साथ उतरेगी तो दबाव पूरी तरह विपक्ष के ऊपर रहने वाला है। कुल मिलाकर, भारत ने टूर्नामेंट को एक धमाकेदार ओपनिंग दी है। बल्लेबाज़ी की ये चमक अब आगे बचे मैचों में कितनी स्थिर रहती है, ये देखने लायक होगा। लेकिन आज के प्रदर्शन ने इतना साफ कर दिया कि इस टीम को हल्के में लेना भूलकर भी नहीं किया जा सकता।

डिसूजा ने एक विकेट लिया

यूएई की गेंदबाज़ी की बात करें तो युग शर्मा और उद्दीश सुरी ने दो-दो विकेट झटके, लेकिन रन तो दोनों ने भर-भरकर दिए। यायिन किरण राय और शलोम डिसूजा ने एक-एक विकेट लिया, मगर भारतीय बल्लेबाज़ों की आक्रामकता के सामने कोई भी गेंदबाज लंबा स्पेल स्मूदली नहीं डाल पाया। ऐसा एक भी ओवर नहीं दिखा जिसमें भारत ने ब्रेक लगाने जैसे संकेत दिए हों। यह प्रदर्शन भारत के लिए सिर्फ मजबूत शुरुआत नहीं है, बल्कि अगले मुकाबलों के लिए भी टोन सेट करता है।

न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से रौंदा

38 रन देकर पांच विकेट झटके

128 पर ढही वेस्टइंडीज की दूसरी पारी

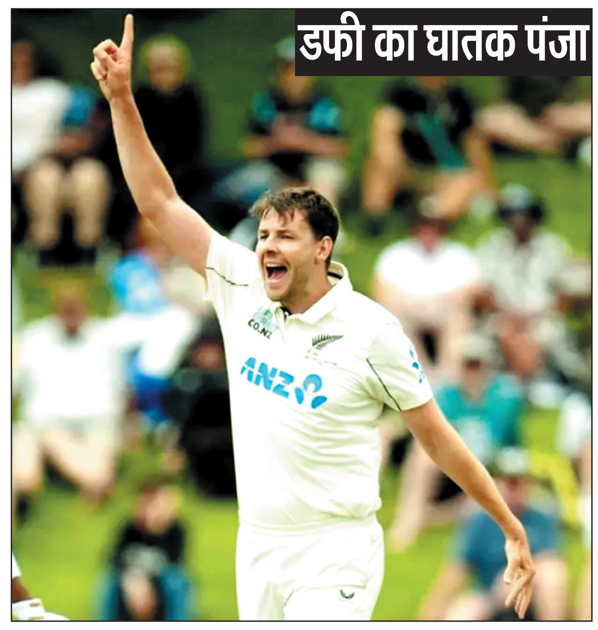

डफी का घातक पंजा

वेलिंगटन, 12 दिसंबर — न्यूज़ीलैंड ने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ही वेस्टइंडीज को जिस तरह एकतरफा अंदाज़ में नौ विकेट से मात दी, उसने साफ कर दिया कि कीवी गेंदबाज़ी इस सीरीज़ में किस लेवल पर खेल रही है।

जेकब डफी के 38 रन देकर पांच विकेट और माइकल रे के तीन विकेटों ने मैच को एकतरफ़ा बना दिया। वेस्टइंडीज की पूरी दूसरी पारी 128 रनों पर सिमट गई, जिससे न्यूज़ीलैंड को जीत के लिए सिर्फ 56 रन का आसान लक्ष्य मिला, जिसे मेज़बान टीम ने महज़ 10 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ न्यूज़ीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली है। दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज के लिए पहले से ही दबाव भरी थी। टीम कल के स्कोर दो विकेट पर 32 रन से आगे खेलने उतरी, लेकिन शुरुआत से ही गेंदबाज़ों की तंग लाइनों ने मेहमान बल्लेबाज़ों की मुश्किलें बढ़ा दीं। तीसरा विकेट ब्रैंडन किंग के रूप में तब गिरा जब वह तेज़ सिंगल चुराने के चक्कर में रनआउट हो बैठे। किंग 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, और इसके बाद विकेटों का गिरना लगभग तय-सा लगने लगा। शाई होप (5) और रॉस्टन चेज़ (2) भी क्रीज़ पर टिक नहीं सके।

> डफी का यह स्पेल मैच का असली हाईलाइट रहा। उनकी गेंदों में लाइन, लेंथ और सटीक उछाल तीनों मौजूद थे। 38 रन देकर पांच विकेट लेने ने उन्हें मैच की सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस दी। माइकल रे ने तीन विकेट लेकर डफी का बेहतरीन साथ दिया, जबकि जैकरी फॉक्स ने एक बल्लेबाज को आउट कर वेस्टइंडीज की परेशानियों को पूरा कर दिया। पहली पारी में वेस्टइंडीज 205 रन ही बना पाई थी, जबकि न्यूज़ीलैंड ने मजबूत शुरुआत के बाद 278/9 पर अपनी पारी घोषित कर बढ़त हासिल कर ली थी। यही बढ़त बाद में मैच के नतीजे में निर्णायक साबित हुई।

> इस मैच में न्यूज़ीलैंड की सबसे बड़ी ताकत उसकी तेज़ गेंदबाज़ी रही, जिसने वेस्टइंडीज को दोनों पारियों में आराम नहीं लेने दिया। दूसरी तरफ वेस्टइंडीज का बल्लेबाज़ी क्रम लगातार कमजोर नजर आया—न तो साझेदारियाँ टिक सकीं, न ही कोई बल्लेबाज़ बाउंस या स्विंग को आत्मविश्वास से खेल पाया। अब सीरीज़ में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूज़ीलैंड का मूमेंटम साफ तौर पर मजबूत है। वेस्टइंडीज के सामने अगला मैच केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक चुनौती भी होगा। उन्हें बल्लेबाज़ी में भारी सुधार करना होगा, वरना अगला टेस्ट भी एकतरफ़ा हो सकता है।

एक नजर में

हॉकी टीम की जीत पर सीएम ने दी बधाई

भोपाल. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एफ.आई.एच. हॉकी पुरुष जूनियर्स विश्व कप-2025 में भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम को कांस्य पदक जीतकर नया इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभूतपूर्व उपलब्धि युवाओं को समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास के साथ अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देगी। टीम ने उत्कृष्ट खेल कौशल और जुझारूपन का परिचय देते हुए विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है।

मध्यप्रदेश ने आंध्र प्रदेश को चार विकेट से हराया

अंबी (पुणे), 12 दिसंबर त्रिपुरेश सिंह (चार विकेट) और त्रिपुरेश सिंह (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋषभ चौहान (47) और राहुल बाथम (नाबाद 35) की शानदार पारियों की बदौलत मध्यप्रदेश ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग ग्रुप ए में आंध्र प्रदेश को 15 गेंदे शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दी। इसी जीत के साथ मध्यप्रदेश को चार अंक मिल गये। 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश ने 17.3 ओवर में छह विकेट पर लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हर्ष गवली और वेंकटेश अय्यर की मध्यप्रदेश की सलामी जोड़ी ने अभी 14 रन ही जोड़े थे कि उन्हें आंध्र प्रदेश के नीतीश कुमार रेड्डी के कहर का सामना करना पड़ा। रेड्डी ने पारी के तीसरे ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर विकेट लेकर अपनी हैट्रिक पूरी की। रेड्डी ने हर्ष गवली, हरप्रीत सिंह और मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार को अपना शिकार कर मैच में रोमांच पैदा कर दिया था। इसके बाद ऋषभ चौहान और राहुल बाथम ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 73 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर सत्यनारायण राजू ने ऋषभ चौहान को आउट कर पवेलियन भेज दिया। ऋषभ चौहान ने 43 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 47 रनों की पारी खेली। अनिकेत वर्मा एक रनआउट हुये। राहुल बाथम ने 32 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 35 रन बनाये।

कोपा डो ब्रासिल में वास्को ने फ्लूमिनेंस को हराया

रियो डी जेनेरियो. स्थानापन्न पाब्लो वेगेटी ने 94वें मिनट में दागे गये गोल की बदौलत वास्को डा गामा ने कोपा डो ब्रासिल सेमीफाइनल के पहले लेग में फ्लूमिनेंस पर 2-1 से जीत दिलाई। कोलंबियन फॉरवर्ड केविन सेर्ना ने 22वें मिनट में थियागो सिल्वा के हेडर पास पर गोल करके फ्लूमिनेंस को बढ़त दिलाई। टीनएज अटैकर रेयान ने हाफटाइम के ठीक बाद छह-यार्ड बॉक्स के किनारे से गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अभी फ्लूमिनेंस, एंड्रेस गोमेज के क्रॉस को संभाल नहीं पाया। नूनो मोरेरा की जगह 77वें मिनट में आए अर्जेंटीना के स्ट्राइकर वेगेटी ने गोमेज के क्रॉस पर दूर के पोस्ट पर नीचे की ओर हेडर मारकर मैच का रुख बदल दिया। रिटर्न लेग रविवार को माराकाना स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें जीतने वाली टीम फाइनल में कोरिंथियंस या क्रूजेरो से भिड़ेगी।

विनेश फोगाट ने कुश्ती से संन्यास वापस लिया

मीडिया पोस्ट के जरिए अपने संन्यास से वापसी की घोषणा की

उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना

नयी दिल्ली 12 दिसंबर तीन बार की ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को प्रतिस्पर्धी कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस ले लिया।

फोगाट ने भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने संन्यास से वापसी की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना है। पिछले साल विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 के तुरंत बाद संन्यास ले लिया था।

विनेश ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस मेरे करियर का अंत है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर हटने की जरूरत थी। इतने सालों में पहली बार, मैंने खुद को चैन की सांस लेने दी।

> ' उन्होंने कहा, 'मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया, ऊंचाइयों, दिल टूटने के पलों, बलिदानों और मेरे उन रूपों को समझा जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। और इसी आत्मचिंतन में मुझे सच्चाई मिली, कि मुझे अब भी इस खेल से प्यार है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं। ' 31 वर्षीय विनेश, जो जुलाई में एक बेटे को जन्म देने के बाद पहली बार मां बनीं, ने आगे कहा कि उनका बेटा ही एलएस 2028 के सफर में उनका सबसे बड़ा सहारा है। उन्होंने कहा, 'तो मैं यहां हूं, निर्भीक दिल और दृढ़ संकल्प के साथ एलएस 2028 की ओर कदम बढ़ा रही हूं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम स्पेन से हारी

सैंटियागो. भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी जूनियर महिला विश्व कप 2025 में अपने 9वें/10वें स्थान के प्लेऑफ मैच में स्पेन से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में खेलने गये मुकाबले में भारत के लिए कनिका सिवाच ने (41वें) मिनट में गोल किया, जबकि नतालिया विलानोवा ने (16वें) और एस्थर कैनालेस ने (36वें) मिनट में स्पेन के लिए एक-एक गोल किया. पहला क्वार्टर थोड़ा मुश्किल लेकिन रोमांचक रहा इस दौरान दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन और मौके बनाये। क्वार्टर में, स्पेन गोल करने वाला था और उसे केवल गोलकीपर को छकाना था, लेकिन भारत की निधि ने बहादुरी से आगे बढ़कर लगातार दो गोल बचाकर विपक्षी टीम को बढ़त हासिल करने से रोका।

कोहली 15 साल बाद खेलेंगे विजय हजारे टूर्नामेंट

बेंगलुरु, 12 दिसंबर भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऋषभ पंत को 24 दिसंबर से शुरू होने वाले विजय हजारे राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

कोहली ने हाल ही में दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन को अपनी उपलब्धता के बारे में बताया, जिससे 15 साल बाद दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2010 में सर्विसेज के खिलाफ टूर्नामेंट में खेला था और इस सीजन में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेल चुके हैं। कोहली और रोहित शर्मा, जो भारत की टेस्ट और टी-20 टीम से संन्यास ले चुके हैं, अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधत्व करते है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन सभी फिट खिलाड़ियों को निर्देश दिया है जो दूसरे टूर्नामेंट में शामिल नहीं हैं, वे घरेलू मुकाबलों में हिस्सा लें, जिससे कोहली के शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली के सभी सात मैचों की बेंगलुरु मेजबानी करेगा, जिसमें दो गेम चिन्नास्वामी स्टेडियम में और पांच अलूर में होंगे। टीम अपने अभियान की शुरुआत आंध्र प्रदेश के खिलाफ करेगी। कोहली हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में आ रहे हैं।

टी20 फॉर्मेट — कप्तान ने 51 रनों की हार के बाद स्वीकार की चूक; कहा—अभिषेक शर्मा पर हर बार निर्भर होकर नहीं जीत सकते

मुझे सभी बल्लेबाज़ों की जिम्मेदारी लेनी थी

मुल्लांपुर, 12 दिसंबर — गुरुवार रात दक्षिण अफ्रीका से मिली 51 रनों की हार के बाद भारतीय T20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कहा कि ज़िम्मेदारी की कमी टीम की सबसे बड़ी चूक थी। 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत पावरप्ले में ही 32 रन पर तीन विकेट गंवा बैठा और वहीं से मैच का संतुलन टूट गया।

कप्तान सूर्यकुमार ने माना कि केवल युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर हर बार उम्मीद टिकाए रखना सही नहीं है। शीर्ष क्रम में बैठे सीनियर बल्लेबाज़ों—खासतौर पर खुद और शुभमन गिल—को बड़ी जिम्मेदारी उठानी चाहिए थी, ताकि चेज़ में स्थिरता बन सके। भारत के सामने लक्ष्य बड़ा था, लेकिन टी20 फॉर्मेट में 214 'असंभव' नहीं माना जाता। पर शुरुआत ही ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। शुभमन गिल पहली ही गेंद पर लुंगी एन्गिडी द्वारा बोल्ड कर दिए गए, जिससे टीम को करारा झटका लगा। गिल की लगातार फॉर्म को लेकर सवाल पहले ही उठ रहे थे और इस मैच ने उन सवालों को और तीखा कर दिया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार भी मात्र 5 रन बनाकर चलते बने। जब शीर्ष क्रम के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाज़ जल्द गिर जाएं, तो चेज़ के रास्ते लंबा और ऊबड़-खाबड़ होना तय है।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने बेहद साफ शब्दों में कहा, 'मेरा मानना है कि मुझे और शुभमन को अच्छी शुरुआत देनी चाहिए थी। हम हर बार अभिषेक पर निर्भर नहीं रह सकते। वह चाहे जैसा खेल रहे हों, उसका भी एक ऑफ डे होगा। आज अगर शुरुआती साझेदारी बन जाती, तो मैच की दिशा अलग होती।

> अंतिम ओवरों में भारत का पतन और भी तेज़ हुआ। टीम सिर्फ पाँच रन जोड़ सकी और पाँच विकेट खो दिए। यह टी20 में किसी भी चेज़ के लिए लगभग मैच का अंतिम ताबूत होता है। ऐसा लगा मानो टीम के बीच कोई प्लान-बी बना ही नहीं था। पारी बिखरी हुई दिखी, और बैटर्स के फैसले जल्दबाज़ी में लिए गए। कप्तान ने माना कि दक्षिण अफ्रीका ने अपनी गेंदबाज़ी रणनीति बेहतर तरीके से समझी और लागू की। सूर्यकुमार बोले, 'हमने पहले गेंदबाज़ी की और हमें शुरुआत में वापसी करनी चाहिए थी।